(घ) केन्द्रीय सरकार ने राज्य को राहत और पुनर्वास कार्य के लिए कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की है ; और

(ङ) उसका जिला वार ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (क) केन्द्रीय सहायता की मांग के लिये एक ज्ञापन प्राप्त होने के बाद एक केन्द्रीय दल ने सूखे की स्थिति का जायजा लेने के लिये 7–9 अप्रैल, 1992 को मध्य प्रदेश के कुछ भागों का दौरा किया ।

(ख) और (ग) : केन्द्रीय दल की सिफारिशों के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि आपदा राहत कोष के अलावा अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता नहीं है । विभिन्न केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के अन्तर्गत इस्तेमाल न हुई धनराशियां उपलब्ध थी और उनका उपयोग सूखा राहत उपायों के लिये किया जा सकता था । राज्य सरकार के संसाधनों में वृद्धि करने के लिये वर्ष 1992–93 के लिये आपदा राहत कोष से केन्द्रीय अंश की 6.94 करोड़ रुपये की दूसरी तिमाही किस्त अग्रिम रूप से निमुक्त कर दी गई थी ।

(घ) और (ङ) वर्ष 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 के दौरान आपदा राहत कोष में केन्द्रीय अंश को 27.75 करोड़ रुपये की वार्षिक धनराशि मध्य प्रदेश सरकार को दी गई थी । भारत सरकार आपदा राहत कोष का कोई जिलावार आबंटन नहीं करती ।

कृषि विकास हेतु गुजरात को धन का आवंटन

2835. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1993–94 और 1994–95 के दौरान कृषि विकास हेतु गुजरात राज्य को कितनी धनराशि आवंटित की गई ;

(ख) गुजरात सरकार द्वारा वास्तव में कितनी धनराशि का उपयोग किया गया ;

(ग) क्या गुजरात सरकार ने चालू वर्ष के लिए अतिरिक्त धनराशि की मांग की है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) और (ख) राज्यों को वार्षिक योजनाओं के लिये किये जाने वाले क्षेत्रवार आबंटन को विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिये राज्यों के साथ परामर्श करके योजना आयोग द्वारा अन्तिम रूप दिया जाता है ।

विगत दो वर्षों के दौरान गुजरात राज्य सरकार को स्वीकृत आबंटन और उसके द्वारा व्यय की गई राशि इस प्रकार है :—

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	आबंटन	व्यय
1993–94	126.26	106.37
1994–95	133.30	53.12 (दिसम्बर, 94 तक)

(ग) जी नहीं ।

(घ) यह प्रश्न नहीं उठता ।

Production of Cotton

2836. SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the estimated production of cotton in this season;

(b) the estimated requirement of cotton in this season particularly by the handloom sector;